an>

Title: Need to waive of the loans disbursed to farmers in view of continued incidents of suicide by farmers in Maharashtra.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : माननीय सभापति महोदया, मैं देश भर के किसानों के बारे में बहुत महत्वपूर्ण मामला उठाना चाहता हूं और सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं। देश भर के किसान किसी न किसी कारण से, कभी बिजली न मिलने, कभी बाढ़ आने से या कभी पानी न मिलने के कारण से आत्महत्या करते हैं। मैं बताना चाहता हूं कि खास तौर से मराठवाड़ा के विदर्भ में सैंकड़ों लोगों ने आत्महत्या की हैं। One of the major causes of farmers committing suicide is indebtedness by way of loss which they are unable to repay. इसी कारण से बहुत सी आत्महत्याएं हो रही हैं क्योंकि किसान परेशान हैं। विदर्भ और मराठवाड़ा में सैंकड़ों लोगों ने आत्महत्या की और जैसा कि मैंने बताया है कि इसका मुख्य कारण कर्ज है इसलिए उन्हें ऋण मुक्त किया जाए। हमारी यह मांग कई वर्षों से है लेकिन यह हो नहीं पा रहा है। अभी नागपुर में विधान सभा सत्र चल रहा है, शिव सेना के नेता दिवाकर जी, जो विधायक हैं, उन्होंने 300 किलोमीटर पैदल चलकर कई हजार किसानों के साथ जाकर मुख्य मंत्री जी को ज्ञापन दिया और मुख्य मंत्री जी ने कहा कि यह मामला केंद सरकार का है और केंद्र सरकार ही इस मामले में कदम उठाएगी। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से विनती करता हूं कि विदर्भ के किसान जो आत्महत्या करने वाले हैं या जिन्होंने की है, उन सब लोगों को ऋण मुक्त करें क्योंकि इसके बाद ही कोई आत्महत्या करने का प्रयास नहीं करेगा। मेरी विनती है कि किसी भी कारण से उन्हें ऋण मुक्त कीजिए। मनोहर जोशी जी ने शिव सेना की तरफ से हमारी पार्टी का ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री जी को दिया है और माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा इस पर नजर डालनी बहुत जरूरी है क्योंकि ऋण मुक्त होने पर ही किसान आत्महत्या नहीं करेंगे।

SHRI PRAHLAD JOSHI (DHARWAD NORTH) : Madam Chairman, I may please be permitted to speak from this seat.

MADAM CHAIRMAN : Okay.